



::आयुक्त (अपील) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टॉ भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,
 रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश सं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/188/GDM/2017	Rebate/86/2017-18	12-09-2017
	V2/189/GDM/2017	Rebate/85/2017-18	12-09-2017
	V2/190/GDM/2017	Rebate/84/2017-18	12-09-2017
	V2/191/GDM/2017	Rebate/83/2017-18	12-09-2017
	V2/192/GDM/2017	Rebate/82/2017-18	12-09-2017

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-076-TO-080-2018-19

आदेश का दिनांक /
Date of Order: **16.07.2018**

जारी करने की तारीख /
Date of Issue: **17.07.2018**

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित ऊपर
 मूल आदेश से सृजित: /
 Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax,
 Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-**
M/s. Balkrishna Industries Ltd., Bhuj- Bachau State Highway No. 42 Road, Village-
PaddharTal: Bhuj (Kutch) .

इस आदेश(अपील) से व्यक्ति कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपर्युक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
 Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण का प्रांतीय अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के
 अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित उपाय की जा सकती है। /
 Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of the
 Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

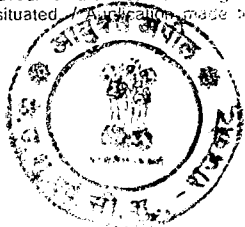
(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं
 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /
 The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal at West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all
 matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण
 (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिन, द्वितीय तल, बहामाली भवन असावा अहमदाबाद-380016 को की जानी चाहिए। /
 To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan,
 Asawa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित विवर
 में प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, व्याज की मांग
 और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/-
 रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय
 न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए।
 संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के
 लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /
 The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central
 Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs.
 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demanded(interest/penalty/refund) is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and
 above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public
 sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal
 is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) या अंतर्गत सेवाकर नियमावली, 1994, के नियम 9(1) के तहत
 निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है। इनमें से एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, व्याज की मांग और लगाया गया
 जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/-
 रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के
 सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान,
 बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ
 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in
 quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a
 copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fee of Rs.
 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the
 amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs,
 Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees in the
 form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place
 where the bench of Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



(i) विहित अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धारा (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गई अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म ST-7 में की जा सकती है। अपील प्राप्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा जारी आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रत्येक जिले/प्रांत/राज्य और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, से अपीलीय न्यायाधिकरण को अद्यतन की जाएगी) का विशिष्ट देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals, one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) भंडा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर संबंधित प्रतिक्रिया (अपील) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की विहित अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्रतिक्रिया में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर आने के 10 प्रतिशत (10%), जब जाग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।
 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत जमा किए गए शुल्क में निम्न शामिल है
 (i) धारा 11 डी के अंतर्गत राशि
 (ii) सेनवेट जमा की गई राशि राशि
 (iii) सेनवेट जमा नियमवाली के नियम 8 के अंतर्गत देय राशि
 - बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान दिवस (31-12-2014) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विवादाधीन स्थान अर्ज एवं अपील को लागू नहीं होगा। /

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D,
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 8 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India
 इस आदेश की पुनरीक्षण अधिकार विनियमित अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त विभाग, मंत्रालय विभाग, चौकी अड्डा, जीवन् दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following cases, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी अर्थ या किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह या पारगमन के दौरान या किसी अर्थ या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर जो भारत के विदेशी क्षेत्र में प्रयुक्त कच्चे ताल पर करी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की जाती है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर निर्यात या भंडारण को अवर निर्धार किया गया है। / In case of goods exported outside India (export or Non-export shipment), without payment of duty.

(iv) सुविधित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो अंतिम उत्पाद पर अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत राशि की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा विहित अधिनियम (31-12-2014) अधिनियम 2014 के धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक अथवा समायोजिधि पर या बाद में प्रेषित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1994.

(v) अपील आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म संख्या 35-एफ में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवाली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत निर्दिष्ट है, इस आदेश के संश्लेष के 3 अक्ष के अंतर्गत की जाती चाहिए। अपील आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत निर्धारित शुल्क को अद्ययगी के साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. 35-E as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 2 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the O.I.O. and Order of appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as provided under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ विनियमित निर्धारित शुल्क को भुगतान को साथ चाहिए। / यदि इच्छा है एक एक लाख रुपये या उससे कम की राशि 2000/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000/- का भुगतान किया जाए। / The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस तथ्य के प्रति ध्यान देने की शिकायत करने के मामले में लिए प्रत्येक अपील आवेदन/आवेदन को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid multiplicity work of existing Major Head fee at Rs. 100/- for each.

(E) कारखाने/उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 के अनुसूची के अंतर्गत मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

(F) भंडा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर संबंधित प्रतिक्रिया (अपील) नियमवाली, 1982 में दिये गए एवं अन्य संबंधित मामलों को विनियमित करने वाले विधियों को और भी ध्यान देना चाहिए। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने के संबंधित जानकारी, विस्तृत और लघुतम ढंग से प्राप्त करने के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cebta.gov.in पर जा सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest procedures relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cebta.gov.in.

:: ORDER IN APPEAL ::

The appeals listed herein below have been filed by M/s. Balkrishna Industries Limited, Bhuj-Bhachau State Highway No. 42, Village Paddhar, Taluka Bhuj (Kutch) (hereinafter referred to as "Appellant") against Orders-In-Original shown against each appeal number (hereinafter referred to as "impugned orders") passed by the Assistant Commissioner, CGST Division, Bhuj (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

Sr. No.	Appeal No	Order-in-Original Date	Rebate Claimed Rs.	Rebate paid in Cash Rs.	Rebate re-credit Rs.
01	188/GDM/17	Rebate/86/2017-18 12.09.2017	99,50,832/-	99,32,248/-	18,563/-
02	189/GDM/17	Rebate/85/2017-18 12.09.2017	98,64,371/-	98,34,074/-	30,276/-
03	190/GDM/17	Rebate/84/2017-18 12.09.2017	98,27,074/-	98,06,236/-	20,828/-
04	191/GDM/17	Rebate/83/2017-18 12.09.2017	98,88,395/-	98,67,501/-	20,893/-
05	192/GDM/17	Rebate/82/2017-18 12.09.2017	98,95,941/-	98,77,288/-	18,653/-

2. Since the issue involved is identical, all these appeals are being taken up together for decision.

3. The brief facts of the case are that the appellant filed 5 rebate claims under Rule 18 of the Central Excise Rules, 2002 read with Section 11B of the Central Excise Act, 1944 in respect of Central Excise duty paid on excisable goods exported; that FOB value of the goods exported was less than assessable value of the said goods cleared, hence, the lower adjudicating authority vide impugned orders granted rebate of Central Excise duty as mention in above table in cash and balance Central Excise duty as mentioned in above table were allowed to be re-credited in cenvat credit account of the appellant.

4. Being aggrieved with the impugned orders, the appellant has preferred these appeals, *inter-alia*, on the following grounds: -

(i) As per provision of Section 142(3) of CGST Act, 2017, every claim of refund filed by any person, on or after appointed day, for refund of any amount of CENVAT credit, duty, tax interest or any other amount paid under the existing law, shall be disposed of in accordance with the provisions of existing law and any amount eventually accruing to him shall be paid in cash, notwithstanding anything to the contrary under the provision of existing law other than the provisions of sub-section (2) of section 11B of the Central Excise Act, 1944.

(ii) The Central Excise Act, 1944 and the Rules made thereunder have been repealed with effect from 01.07.2017, however, as per the transition provisions, they



have already closed cenvat account for transfer of balance amount to Electronic Credit Ledger under GST Act. Therefore, rebate sanctioned by way of re-credit to Cenvat Credit account cannot be taken and utilized for payment of GST.

(iii) While sanctioning part amount of rebate claim by way of re-credit, lower adjudicating authority has failed to explain modalities for crediting the same in Cenvat credit account, which is no longer in existence as on date.

5. The appellant, during personal Hearing reiterated the grounds of appeals and submitted that the refund was required to be paid in cash only as per Section 142(3) of CGST Act; that the Central Board of Indirect Taxes & Customs (CBIC) vide Circular No.37/11/2018-GST dated 15.03.2018 has clarified that all refund of Central Excise duty w.e.f. 01.07.2017 should be paid in cash, which has been violated by the impugned orders.

Findings:-

6. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned orders, the appeals memorandum and written submissions filed by the appellant. The issue to be decided is as to whether the impugned orders, in the facts and circumstances of the case, sanctioning rebate by way of re-credit to cenvat credit account is correct, legal and proper or not.

7. I find that the appellant filed 5 rebate claims on dates from 18.07.2017 to 01.08.2017 on the ground that they had exported excisable goods "Tyres" on payment of central excise duty. The sanctioning authority has sanctioned rebate claim under Rules 18 of the Central Excise Rules, 2002 read with Notification No. 19/2004-CE(NT) dated 06.09.2004, as amended and ordered to grant rebate of Central Excise duty as per table above in cash and balance amount of Central Excise duty was ordered to be re-credited to Cenvat Credit account instead of payment in cash.

7.1 The appellant vehemently argued that they are entitled for full rebate of Central Excise duty in cash in terms of provisions of Section 142(3) of the CGST Act, 2017; that there was no mechanism under the new GST Regime to avail cenvat credit on the basis of the impugned order; that restoration of amount in the cenvat credit account at this juncture will not help them as such amount cannot be utilized towards payment of their GST liability under GST Law, 2017 in terms of Transitional Provisions under Section 142 of Central Goods & Service Tax Act, 2017. I would like to reproduce Section 142(3) of the CGST Act, 2017, which reads as under: -

"(3) Every claim for refund filed by any person before, on or after the appointed day, for refund of any amount of CENVAT credit, duty, tax, interest or any other amount paid under the existing law, shall be disposed of in accordance with the provisions of existing law and any amount eventually accruing to him shall be paid in cash, notwithstanding anything to the contrary contained under the provisions of existing law other than the provisions of sub-section (2) of section 11B of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) :

Provided that where any claim for refund of CENVAT credit is fully or partially rejected, the amount so rejected shall lapse :

Provided further that no refund shall be allowed of any amount of CENVAT credit where the balance of the said amount as on the appointed day has been carried forward under this Act."

8. In view of above, it can be seen that every refund claim filed on or after the appointed day shall be disposed of in accordance with provisions of existing law and amount accruing to the refund claim shall be paid in cash. In the instant case, the appellant had filed rebate claims on 18.07.2017, 26.07.2017, 01.08.2017, after appointed day i.e. 1.7.2017. It is a fact that above all rebate claims satisfied the mandatory conditions of Notification No. 19/2004-CE(NT) dated 06.09.2004. Hence, I am of the considered view that the appellant is entitled for full amount of rebate claims which shall be payable in cash in terms of Section 142(3) of the CGST Act, 2017.

9. In view of above, I set aside the impugned orders and allow appeals.

९.१ अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपीलों का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9.1 The appeals filed by the appellant are disposed off as above.

सत्यवर्षि,
y. s. s. s. s.
प्रतीक पोस्ट
गंधीधाम (अपील्स)

(कुमार सतोष)
आयुक्त (अपील्स)
16/08/2018

By Speed Post

To,

M/s. Balkrishna Industries Limited, Bhuj-Bhachau State Highway No. 42, Village Paddhar, Taluka Bhuj (Kutch)	मेसर्स बालकृष्ण इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भुज-भचाव स्टेट हाई वे नं ४२, गाव : पादधार, तालुका : भुज (कच्छ)
---	--

Copy for information and necessary action to:

- 1) The Chief Commissioner, GST & C. Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad
- 2) The Commissioner, GST & C. Excise Kutch Commissionerate, Gandhidham.
- 3) The Assistant / Deputy Commissioner, GST & C. Excise Division, Bhuj
- 4) Guard File.